UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

M.A. SANSKRIT

Faculty of Arts
M.A. SANSKRIT
M.A. (Previous) Examination
M.A. (Final) Examination
संस्कृत—विभाग

एम.ए. पूर्वार्द्ध 2008 की परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें विद्यार्थी को चार प्रश्न पत्र करने हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घण्टे की निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। **अब कुल पांच प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम में प्रविष्ट किये गये हैं जिनमें से अन्तिम दो प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे। प्रथम तीन प्रश्नपत्रों में से विद्यार्थी कोई भी दो प्रश्नपत्रों का चयन कर सकेंगे। चतुर्थ एवं पंचम प्रश्नपत्र सबके लिए अनिवार्य होगा।**

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

प्रथम प्रश्नपत्र—वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान।

द्वितीय प्रश्नपत्र—ललित साहित्य तथा नाटक।

तृतीय प्रश्नपत्र—ज्योतिष शास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त।

अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र—भारतीय दर्शन।

पंचम प्रश्नपत्र—भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण।

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

इस परीक्षा में पांच प्रश्नपत्र होंगे। प्रस्तावित विषयों वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रति वर्ग निर्धारित हैं। चतुर्थ एंव पंचम प्रश्नपत्र सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होंगे। सभी प्रश्नपत्रों का समय तीन घण्टे की अवधि का रहेगा तथा पूर्णांक 100 अंक निश्चित किये गये हैं। **प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने के लिए सुरक्षित हैं।** पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी के लिए, उत्तरार्द्ध के पंचम प्रश्नपत्र के स्थान पर लघुशोध-प्रबन्ध का विकल्प भी उपलब्ध है।

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र—साहित्यशास्त्र।

द्वितीय प्रश्नपत्र—नाटक तथा नाट्यशास्त्र।

तृतीय प्रश्नपत्र—गद्य, पद्य, चम्पू। अथवा किसी कवि या लेखक का विशिष्ट अध्ययन। (भास अथवा कालिदास)

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र—संहिता पाठ।

द्वितीय प्रश्नपत्र—ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ।

तृतीय प्रश्नपत्र—वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया। अथवा ऋग्वेद के किसी मण्डल का विशिष्ट अध्ययन।

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—न्याय और वैशेषिक दर्शन।

द्वितीय प्रश्नपत्र—शैवागम, योगदर्शन और दर्शनशास्त्र का विकास।

तृतीय प्रश्नपत्र—वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन।

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास।

द्वितीय प्रश्नपत्र—स्मृतिशास्त्र।

तृतीय प्रश्नपत्र—निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान।

वर्ग 'ई' वैदिक-विज्ञान

प्रथम प्रश्नपत्र—वैदिक वाङ्मय और वेद विज्ञान

द्वितीय प्रश्नपत्र—सैद्धान्तिक ग्रन्थ।

तृतीय प्रश्नपत्र—इतिहास एवं भाष्यकार

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिक शास्त्र।

द्वितीय प्रश्नपत्र—वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त।

तृतीय प्रश्नपत्र—जन्म पत्र-निर्माण, फलादेश के सिद्धान्त।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र—व्याकरण एवं निबन्ध।

पंचम प्रश्नपत्र—प्राचीन साहित्य अथवा आधुनिक संस्कृत-साहित्य अथवा लघुशोध-प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

अवधेयम्—

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से सम्बद्ध प्रश्न भी पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का भी परीक्षण हो सके।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, किन्तु परीक्षार्थी को संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे गये प्रश्न संस्कृत भाषा द्वारा ही प्रस्तुत करने होंगे। शेष सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछने के लिए निर्धारित किये गये हैं।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

प्रथम प्रश्नपत्र—वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान।

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. ऋग्वेद—निम्न सूक्तों का अध्ययन 30 अंक
   (अग्नि–1.12, रुद्र—2.33, विष्णु—1.154, अक्ष—10.34, वरुण—7.86, वाक्—10.125, पुरुष—10.90, नासदीय 10.129)
2. यजुर्वेद (अध्याय–34) शिवसंकल्पसूक्त – **दो मंत्रों में से एक की व्याख्या** 5 अंक
3. अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त)–1 से 18 मंत्र 10 अंक
4. निरूक्त–यास्क (प्रथम अध्याय) 25 अंक
5. भाषा विज्ञान 30 अंक
   (रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनिया, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि-परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ-परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	ऋग्वेद	1. ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मंत्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में तथा एक संस्कृत में करनी होगी।	10+10 अंक
		2. पदपाठ	4 अंक
		3. दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2.	यजुर्वेद	यजुर्वेद के निर्धारित भाग से 2 मंत्रों में से एक की व्याख्या।	5 अंक
3.	अथर्ववेद	दो मंत्रों में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4.	निरूक्त	1. चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	7½+7½= 15 अंक
		2. आठ पदों में से चार पदों का निर्वचन	2½×4= 10 अंक
5.	भाषा विज्ञान	1. रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
		2. उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, दो में से एक प्रश्न	10 अंक
		3. भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि और प्राकृत दो में से एक प्रश्न	10 अंक

कुल योग **100 अंक**

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क—वैदिक साहित्य

1. ऋक्सूक्त वैजयन्ती—डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2. ऋक्सूक्त समुच्चय—डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. वैदिक वाङ्मय—एक परिशीलन—ब्रजबिहारी चौबे
4. वैदिक स्वरबोध—ब्रजबिहारी चौबे
5. ऋग भाष्यसंग्रह—देवराज चानना
6. वैदिक व्याकरण—ए.ए. मेक्डोनल
7. वैदिक व्याकरण—डॉ. उमेशचन्द पाण्डे
8. वैदिक स्वरमीमांसा—श्री युधिष्ठिर मीमांसक
9. ऋग्वेद चयनिका—विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
10. वेद विज्ञान—कर्पूरचन्द कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
11. छन्दःसमीक्षा—स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

ख—भाषा-विज्ञान

1. एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
2. लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत—बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता
3. तुलनात्मक भाषाशास्त्र—डॉ. मंगलदेव शास्त्री
4. भाषाविज्ञान—डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन—डॉ. भोलाशंकर व्यास—भारतीय ज्ञानपीठ, काशी
6. संस्कृत का भाषाविज्ञान—डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी
8. भाषा का इतिहास—श्रीभगवद्दत्त
9. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन—देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

द्वितीय प्रश्नपत्र—ललित साहित्य तथा नाटक

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. मेघदूतम्—कालिदास — 35 अंक

2. प्रतिमानाटकम्—भास 25 अंक
3. मृच्छकटिकम्—शूद्रक 40 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	मेघदूतम्	1.	चार श्लोक (दो पूर्वार्द्ध भाग तथा 2 उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य 10+10=20 अंक
		2.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर 15 अंक
2.	प्रतिमानाटकम्	1.	चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या 7½+7½=15 अंक
		2.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
3.	मृच्छकटिकम्	1.	चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या 10+10 अंक=20 अंक
		2.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
		3.	दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या 10 अंक

कुल योग **100 अंक**

सहायक पुस्तकें—

1. संस्कृत के संदेश काव्य — डॉ. रामकुमार आचार्य
2. मेघदूत-कालिदास-व्याख्या— डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. प्रतिमा नाटकम् — भास
4. मृच्छकटिकम् — रमाशंकर त्रिपाठी
5. मृच्छकटिकम् — डॉ. श्री निवास शास्त्री
6. मृच्छकटिकम् — शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन-डॉ. शालगराम द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र—ज्योतिष शास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं। प्रश्नपत्र में 60 अंक लिखित परीक्षा के लिए तथा 40 अंक प्रायोगिक परीक्षा के लिए निर्धारित होंगे। (लिखित परीक्षा के 60 अंक होने के कारण 20 प्रतिशत अर्थात 12 अंक लिखित परीक्षा में संस्कृत माध्यम के लिए निर्धारित होंगे शेष 48 अंक हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत माध्यम से दिये जायेंगे)

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास 20 अंक
2. हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड-गोपेश कुमार ओझा 20 अंक
3. फलित खण्ड 20 अंक

4. प्रायोगिक परीक्षा — 40 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास	1.	वैदिक वेदाङ्ग एवं पुराण काल एवं पाराशर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय, वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केशव रामदेवज्ञ, जगन्नाथ सम्राट आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री इन पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 10+10 =20 अंक
2. हस्तरेखा विज्ञान	1.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
	2.	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 5+5=10 अंक
3. फलितखण्ड		फलादेश के सामान्य सिद्धांत, उत्तर भारतीय जन्मकुंडली के आधार पर बारह भावों के फलादेश, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप, बारह भावों के कारक ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री, पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांश, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता
	1.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर 8 अंक
	2.	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर 12 अंक
4. प्रायोगिक परीक्षा	1.	पंचांग, हस्तरेखा विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से संबंधित सामान्य व विशिष्ट प्रश्न किये जायेंगे। (20 प्रतिशत अंक अर्थात 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के निर्धारित होंगे) 40 अंक

कुल अंक — **100 अंक**

सहायक ग्रन्थ सूची—

1. गणक तरंगिणी—बापूदेव शास्त्री
2. भारतीय ज्योतिष का इतिहास—शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. भारतीय ज्योतिष—नेमीचन्द शास्त्री
4. हस्तरेखा विज्ञान—गोपेश कुमार ओझा
5. फलित प्रबोधिनी—डॉ. विनोद शास्त्री, राज. ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान, जयपुर
6. ज्योतिष प्रारंभिकी—डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अकादमी
7. ज्योतिष सर्वस्व—डॉ. सुरेश चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।

अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र—भारतीय दर्शन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. सांख्यकारिका—ईश्वरकृष्ण — 25 अंक
2. तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त)—केशवमिश्र — 20 अंक
3. वेदान्तसार—सदानन्द — 20 अंक
4. चार्वाकदर्शन—सर्वदर्शनसंग्रह — 15 अंक
5. योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद)—पतंजलि — 20 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	सांख्यकारिका	1. चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य	9+9=18 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2.	तर्कभाषा	1. दो में से एक उद्धरण की व्याख्या	10 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3.	वेदान्तसार	1. दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
4.	चार्वाक	1. दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
5.	योगसूत्रम्	1. चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	5+5=10 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

सहायक पुस्तकें—

1. सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं. रमाशंकर त्रिपाठी
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी—रमाशंकर भट्टाचार्य
3. तर्कभाषा—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
4. तर्कभाषा—आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
5. वेदान्तसार—सन्तराम श्रीवास्तव
6. वेदान्तसार—डॉ. शिवसनगर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
7. सर्वदर्शनसंग्रह—माधवाचार्य
8. अद्वैतवेदान्त में आभासवाद—डॉ. सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाशन, पटना।

9. भारतीय दर्शन—संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
10. भारतीय दर्शन—डॉ. बलदेव उपाध्याय
11. इन्ट्रोडक्शन टू इन्डियन फिलासफी—दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
12. भारतीय न्यायशास्त्र—ब्रह्ममित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
13. भारतीय दर्शन—डॉ. उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार लखनऊ)

पंचम प्रश्नपत्र—भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1.	साहित्यदर्पण (1, 2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक) —विश्वनाथ	25 अंक
2.	नाट्यशास्त्र (1, 2 अध्याय)–भरत	15 अंक
3.	काव्यालंकार (प्रथम अध्याय)—भामह	20 अंक
4.	साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त	20 अंक
5.	प्रक्रिया भाग—लघुसिद्धान्तकौमुदी	20 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	साहित्यदर्पण	1. चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य	9+9=18 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2.	नाट्यशास्त्र	1. दो में से एक कारिका की व्याख्या	8 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
3.	काव्यालंकार	1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य	20 अंक
4.	साहित्यशास्त्र	1. ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
		2. सिद्धान्त संबंधी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
5.	प्रक्रियाभाग	1. चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
		2. 6 सिद्धियों में से 3 सिद्धियाँ	12 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

संस्तुत पुस्तकें—

1. साहित्यदर्पण—डॉ. निरूपण विद्यालंकार

2. साहित्यदर्पण—शेषराज रेम्मी
3. साहित्यदर्पण—शालगराम शास्त्री
4. नाट्यशास्त्र—संपादक डॉ. भोलानाथ शर्मा—साहित्य निकेतन, कानपुर
5. भरतनाट्यशास्त्र—डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
6. नाट्यशास्त्र—डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. काव्यालंकार—भामह—बटुकनाथ शर्मा
8. अलंकारशास्त्र का इतिहास—डॉ. कृष्णकुमार
9. हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर—डॉ. पी.वी. काणे (काणे व हिन्दी संस्करण)
10. संस्कृत पोईटिक्स—एस.के.डे (अंग्रेजी व हिन्दी संस्करण)
11. भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी—भीमसेन शास्त्री
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी—महेशसिंह कुशवाह
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी—डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)
वर्ग 'अ' साहित्य
प्रथम प्रश्नपत्र—साहित्यशास्त्र

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. काव्यप्रकाश (1 से 8 उल्लास)—मम्मट (सप्तम् उल्लास में रसदोषमात्र) 50 अंक
2. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)—आनन्दवर्धन 20 अंक
3. रसगंगाधर—पं. जगन्नाथ 10 अंक
4. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)—कुन्तक 20 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1. काव्यप्रकाश
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य 15+15=30 अंक
   2. वृत्तिभाग से 2 उद्धरण पूछकर एक की व्याख्या 10 अंक
   3. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
2. ध्वन्यालोक
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें

		से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य	10+10=20 अंक
3.	रसगंगाधर	1. सामान्य प्रश्न	10 अंक
4.	वक्रोक्तिजीवितम्	1. दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	10 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

(अ) साहित्य वर्ग—

प्रथम पत्र—साहित्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें—

1. डॉ. पी.वी. काणे—हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर
2. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा—प्रो. सुरजनदास स्वामी—प्रकाशक नीरज शर्मा, जयपुर
3. संस्कृत पोइटिक्स—एस.के.डे.
4. भारतीय साहित्यशास्त्र—बलदेव उपाध्याय
5. काव्यशास्त्र—डॉ. विक्रमादित्य राय
6. भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा—डॉ. त्रयम्बक देशपांडे
7. रसालोचनम—डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
8. काव्यप्रकाश—मम्मट व्याख्या—डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. काव्यप्रकाश—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
10. ध्वन्यालोक—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
11. ध्वन्यालोक—डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
12. रसगंगाधर—आचार्य बद्रीनाथ झा
13. रसगंगाधर—नागेशभट्ट कृत मर्मप्रकाश, मधुसूदनी—संस्कृत टीका व बालक्रीडा हिन्दी टीका
14. वक्रोक्तिजीवितम्—राधेश्याम मिश्र
15. वक्रोक्तिजीवितम्—प्रथम व द्वितीय उन्मेष—डॉ. दशरथ द्विवेदी

द्वितीय प्रश्नपत्र—नाटक तथा नाट्यशास्त्र

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1.	दशरूपकम्-धनंजय (प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ प्रकाश मात्र)	35 अंक
2.	वेणीसंहार—भट्टनारायण	20 अंक

3. उत्तररामचरितम् 35 अंक
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास—विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त (अरस्तु), उदात्तीकरण, अभिव्यक्तिवाद 10 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	दशरूपकम्	1. चार कारिकाओं में से एक की संस्कृत व्याख्या एवं एक की हिन्दी व्याख्या	20 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2.	वेणीसंहार	1. दो श्लोकों में से एक की हिन्दी में व्याख्या	10 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3.	उत्तररामचरितम्	1. चार श्लोकों में से दो की व्याख्या (एक की संस्कृत में)	10+10= 20 अंक
		2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
4.	पाश्चात्यकाव्य शास्त्र का इतिहास	1. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

द्वितीय पत्र —नाटक तथा नाट्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें—

1. अभिनवगुप्त—अभिनवभारती
2. टाइम्स ऑफ संस्कृत ड्रामा—मनकंद
3. भरत नाट्यशास्त्र, डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. भरतमुनि प्रणीत, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. संस्कृत नाट्यसाहित्य—डॉ. खण्डेलवाल, आगरा
6. दशरूपक (नान्दी टीका)—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
7. दशरूपकतत्त्वदर्शनम्—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
8. मध्यकालीन संस्कृत नाटक—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
9. संस्कृत ड्रामा (नाटक)—कीथ
10. इंडियन थियेटर—सी.बी. गुप्त
11. भरत नाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद)—मनमोहन घोष
12. वेणीसंहार—तारिणीश झा

13. वेणीसंहार—संस्कृत हिन्दी टीका—गंगासागर राय
14. उत्तररामचरितम्—डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
15. उत्तररामचरितम्—वीरराघवकृतया टीका—शेषराज शर्मा
16. पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त—भागीरथ मिश्र

तृतीय प्रश्नपत्र—गद्य, पद्य, चम्पू

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. कादम्बरी (कथामुख)—बाणभट्ट 25 अंक
2. नैषधीयचरितम् (तृतीयसर्ग)—श्री हर्ष 25 अंक
3. नलचम्पू—त्रिविकम (प्रथम उच्छ्वास) 25 अंक
4. शिवराजविजय (1,2 उच्छ्वास)—अम्बिकादत्तव्यास 25 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	कादम्बरी	1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	10+10=20 अंक
2.	नेषधीयचरितम्	1. चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में)	10+10=20 अंक
3.	नलचम्पू (प्रथम उच्छवास मात्र)	1. दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में) 2. दो गद्यांशों में से एक की व्याख्या	10+10=20 अंक
4.	शिवराजविजय	1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	10+10=20 अंक
5.	नैषध. व नल.	1. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
6.	काद. व शिव.	1. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

तृतीय पत्र—तीन विकल्प

काव्य—गद्य-पद्य-चम्पू

सहायक पुस्तकें—

1. नैषधपरिशीलन—चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
2. नैषधीयचरितम्—जीवाड संस्कृत टीकासहित—डॉ. देवर्षि सनाढ्य
3. बृहत्त्रयी—सुषमा कुलश्रेष्ठ
4. क्रिटिकल स्टडी ऑफ नैषधीयचरितम्—डॉ. ए.एन. जानी
5. नलचम्पू—कैलाशपति त्रिपाठी

6. चम्पू काव्यों का अध्ययन—छविनाथ मिश्र
7. कादम्बरी (पूर्वार्द्ध) संस्कृत हिन्दी टीका सहित—डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
8. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
9. शिवराज विजय—अम्बिकादत्त व्यास

निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का विशेष अध्ययन

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय प्रश्नपत्र (साहित्य वर्ग)

कालिदास :

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

पाठ्यक्रम

क) व्याख्या हेतु

1. व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक—कालिदास के नाटक — 30 अंक
2. रघुवंश (16, 13 सर्ग), कुमारसंभव (1-5 सर्ग) मेघदूत व ऋतुसंहार (प्रथम दो सर्गों से अंश) — 30 अंक

ख) समालोचना हेतु

1. कालिदास के स्थितिकाल, जीवनवृत्त, रचनासंख्या आदि बिन्दुओं पर प्रश्न — 15 अंक
2. कालिदास की काव्यकला, नाटककला एवं रचना-सौन्दर्य पर प्रश्न — 25 अंक

1.	अभिज्ञान.	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
2.	विक्रमोर्वशीय	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
3.	मालविका.	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
4.	रघुवंश	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
5.	कुमार. सम्भव	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
6.	मेघदूतम्	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
7.	व्यक्तित्व व कृतित्व	2 श्लोकों में से 1 का उत्तर	15 अंक
8.	समालोचनात्मक	4 प्रश्नों में से 2 प्रश्नों का उत्तर	15+10 = 25 अंक

कुल योग 100 अंक

2—भास :

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

(क) व्याख्या हेतु—

1. कृष्ण कथा पर आधारित नाटकों से उदाहरणीय अंश 20 अंक
2. रामकथा पर आधारित नाटकों से अंश 15 अंक
3. भास के शेष नाटकों से उद्धृत अंश 15 अंक

(ख) समालोचना हेतु—

1. भास के स्थितकाल व व्यक्तित्व पर प्रश्न 15 अंक
2. भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति पर प्रश्न 35 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	व्याख्या हेतु कृष्ण कथा पर आधारित नाटक	4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या (उनमें से एक संस्कृत में)	20 अंक (10+10)
2-	व्याख्या हेतु रामकथा पर आधारित नाटक	4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
3.	व्याख्या हेतु भास के शेष नाटकों	4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
4.	भास की स्थिति काल एवं व्यक्तित्व	2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	15 अंक
5.	भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति	2 प्रश्न पूछ कर 1 का उत्तर 4 प्रश्न पूछकर 2 का उत्तर, 1 प्रश्न का उत्तर संस्कृत में अपेक्षित है।	15 अंक 20 अंक (10+10)
			कुल योग 100

सहायक पुस्तकें—

1. भासनाटकचक्रम्-भाग एक व दो, व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. दूतघटोत्कच—व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. दूतवाक्यम् —व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

4. मध्यमव्यायोग—व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र—संहिता पाठ

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. ऋग्वेद–सप्तम मंडल, सूक्त 1 से 10 तक — 25 अंक
2. अथर्ववेद–अधोदत्त सूक्त मात्रा निर्धारित हैं— — 30 अंक

काण्ड	सूक्त
1	5, 6, 14
2	28, 33
3	12, 16, 17, 30
4	30
8	9
9	9 (14 अस्य वामस्य)
18	6 (प्राण ब्रह्मचारी)
19	52, 53

3. वाजसनेयी संहिता—अध्याय 1, 32 एवं 36 — 20 अंक

टिप्पणी–परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य, जिनमें सायण, कपाली शास्त्री, दयानन्द, उव्वट कानाम विशेषतः उल्लेखनीय है, पढ़ेंगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

4. संबद्ध व्याकरण — 10 अंक
5. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका—स्वामी दयानन्द — 15 अंक

कुल योग — **100 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र—ब्राह्मण उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऐतरेय ब्राह्मण—पंचिका–अध्याय 1 व 2 मात्र — 20 अंक
2. शतपथ ब्राह्मण—माध्यंदिन काण्ड–1, अध्याय–1 — 15 अंक
3. यास्क निरुक्त 2, 7 अध्याय (निर्वचन व व्याख्या) — 15 अंक
4. ऋक् प्रतिशाख्य—1, 2 और 3 मात्र — 15 अंक

ऋक् प्रतिशाख्य के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों की व्याख्या प्रष्टव्य हैं।

5. छान्दोग्योपनिषद्-अध्याय 7वां — 20 अंक
6. कात्यायन श्रौतसूत्र—अध्याय प्रथम 1-2 कण्डिकाएं — 15 अंक

कुल योग — 100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र—वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. वैदिक धर्मों का तुलनात्मक एवं देवशास्त्र — 40 अंक
2. वैदिकी प्रक्रिया–सिद्धान्त कौमुदी — 40 अंक
3. महर्षि कुलवैभवम्–मधुसूदन ओझा (महर्षियों का सामान्य परिचय) — 20 अंक

कुल योग — 100 अंक

अथवा ऋग्वेद के किसी मण्डल का विशिष्ट अध्ययन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। गृत्समद अथवा वामदेवामण्डल में से प्रत्येक के प्रथम चालीस सूक्तों का विशेष अध्ययन।

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्यसहित (प्रथम अध्याय) — 30 अंक
2. विश्वनाथ–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष एवं शब्द खण्ड) — 40 अंक
3. प्रशस्तपाद (गुणनिरूपणान्त) — 30 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	न्यायसूत्रम्	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	वात्स्यायन भाष्य सहित	दो सूत्रों में से एक की व्याख्या	10 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक

2.	सिद्धान्तमुक्तावली	प्रत्यक्ष खण्ड में चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10=20 अंक
		शब्द खण्ड से चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10=20 अंक
3.	प्रशस्तपादभाष्य	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10=20 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

सहायक पुस्तकें—

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), व्याख्याकार—डॉ. श्री गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली—न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्याकार—आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. प्रशस्तपादभाष्यम्, व्याख्याकार—आचार्य ढुण्ढिराजशास्त्री, प्र. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

द्वितीय पत्र—शैवागम योगदर्शन और दर्शनशास्त्र का विकास

सहायक पुस्तकें—

1. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन.दास गुप्त, अनु. कलानाथ शास्त्री, सुधीरकुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या, या मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त के पांच प्रकार सी.डी. ब्रोड, अनु. डॉ. श्यामनन्दन, प्रो. केदारनाथलाल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
4. नीतिशास्त्र मीमांसा, जार्ज एडवर्ड, मू.अनु. अशोक कुमार वर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

द्वितीय प्रश्नपत्र—शैवागम, योगदर्शन और दर्शनशास्त्र का विकास

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी–वाचस्पति मिश्र (एक से तीस कारिका पर्यन्त) 20 अंक
2. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी (आगमाधिकार) 20 अंक
   दो प्रश्नों में से एक का उत्तर 10 अंक
3. परमार्थसार–अभिनवगुप्त 20 अंक
4. भारतीय दर्शनशास्त्र का विकास 20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र का विकास 20 अंक

अवधेयम्—दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है–1. षड्दर्शन का विकास, 2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र, 3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद, 4. बर्कलेकृत जड़वाद की आलोचना, 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद तथा सन्देहवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत्, तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	सांख्यतत्त्वकौमुदी	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
2.	ईश्वरप्रत्यभिज्ञावि	दो व्याख्यों में से एक का उत्तर	10 अंक
3.	परमार्थसार	दो सूत्रों में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
4.	भारतीय दर्शन	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10=20 अंक
5.	पाश्चात्य दर्शन	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10=20 अंक
	कुल योग		100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र—वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. ब्रह्मसूत्र चतु-सूत्री–शांकरभाष्यसहित 25 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद् (गौडपादकारिका सहित) 25 अंक
3. अर्थसंग्रह–सम्पूर्ण 25 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह–माधवाचार्य (जैन व बौद्ध) 25 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	ब्रह्मसूत्र चतुःसूत्री	चार व्याख्यों में से दो की व्याख्या जिसमें एक की संस्कृत में	9+9=18 अंक

		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
2.	माण्डूक्योपनिषद्	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
		एक की संस्कृत में	9+9=18 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
3.	अर्थसंग्रह	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	9+9=18 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
4.	सर्वदर्शनसंग्रह	दोनों दर्शनों में दो-दो कारिकाओं में से एक	
		एक की व्याख्या	12+13=25 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

तृतीय पत्र—वेदान्त मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

सहायक पुस्तकें—

1. माण्डूक्यकारिका—गौडपाद, आनन्द आश्रम, पूना
2. आगमशास्त्र ऑफ गौडपाद, बी. भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता।
3. सर्वदर्शनसंग्रह—माधवाचार्य प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. गौतमधर्मसूत्राणि सम्पूर्ण — 75 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियां एवं निबन्धकारों का इतिहास) — 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन—

1.	गोतमधर्मसूत्र	दस सूत्रों में से पांच की व्याख्या	25 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर संस्कृत में	20 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर—व्यवहार सम्बन्धी	20 अंक
2.	धर्मशास्त्र का इतिहास	किन्हीं चार ग्रन्थकारों अथवा धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में से 2 का परिचय	15 अंक

धर्मशास्त्र के इतिहासकारों के विषय में 2 प्रश्न में से एक का उत्तर	10 अंक
कुल योग	**100 अंक**

संस्तुत पुस्तकें

1. गौतमधर्मसूत्राणि हिन्दी व्याख्याकार डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।
2. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम खण्ड, डॉ. पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3. धर्मकल्पद्रुम डॉ. राजेन्द्रप्रसाद शर्मा, वाराणसी।

द्वितीय प्रश्नपत्र—स्मृतिशास्त्र

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. मनुस्मृति (2 से 6 अध्याय तक)	50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय 1 से 7 प्रकरण)	25 अंक
3. विश्वेश्वर स्मृति	25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन—

1.	मनुस्मृति	चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	10+10=20 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर संस्कृत में अथवा चार टिप्पणियों में से दो संस्कृत में टिप्पणियां	20 अंक
		चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2.	याज्ञवल्क्यस्मृति	दो में किसी एक की मिताक्षरा के अनुसार व्याख्या	10 अंक
		चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	15 अंक
3.	विश्वेश्वरास्मृति	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर अथवा 4 टिप्पणियों में 2 का उत्तर	10 अंक
		चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

संस्तुत पुस्तकें—

1. मनुस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार पं. हरगोविन्दशास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2. याज्ञवल्क्यस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार डॉ. उमेशचंद पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. विश्वेश्वरस्मृति, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

तृतीय प्रश्नपत्र—निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1.	धर्मसिन्धु, काशीनाथ उपाध्याय, प्रथम व द्वितीय परिच्छेद	50 अंक
2.	याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) अष्टम प्रकरण, दायभाग	25 अंक
3.	याज्ञवल्क्यस्मृति (प्रायश्चित)	25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन—

1.	धर्मसिन्धु	चार बिन्दुओं में से 2 का संस्कृत विवेचन	20 अंक
		छः बिन्दुओं में से तीन का विवेचन	30 अंक
2.	याज्ञवल्क्य दायभाग प्रकरण	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
3.	याज्ञज्ञवल्क्यस्मृति प्रायश्चित प्रकरण	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
		दो टिप्पणियों में से एक का उत्तर	10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

~~संस्तुत पुस्तकें—~~

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार डॉ. उमेशचंद पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ई' वैदिक-विज्ञान

प्रथम प्रश्नपत्र—वैदिक वाङ्मय और वेद विज्ञान

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

1. ऋग्वेद के निम्नलिखित 6 सूक्त 20 अंक
   1. ज्ञान सूक्त (10, 71), 2 पुरुष सूक्त (10.90),
   3. हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121) 4. वाक् सूक्त (1.125),
   5. नासदीय सूक्त (10.129), 6. अधमर्षण सूक्त (10 : 190)
   उपर्युक्त सूक्तों में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या

2. उपर्युक्त सूक्तों में निहित वेद विज्ञान विषयक एक प्रश्न 20 अंक
3. उपयुक्त सूक्तों में से किन्हीं तीन पारिभाषिक शब्दों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी 20 अंक
4. शतपथ ब्राह्मण-काण्ड 3 अध्याय 10 अंक
5. शतपथ-ब्राह्मण-काण्ड 11 अध्याय ब्राह्मण 6-8, उपर्युक्त निर्धारित पाठ में से किन्हीं एक कण्डिकाओं की वेदविज्ञान सम्मत व्याख्या 10 अंक
6. ब्राह्मण ग्रन्थों में प्रयुक्त किन्हीं 2 पदों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी 20 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र—सैद्धान्तिक ग्रन्थ

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

1. ब्रह्म समन्वय 20 अंक
2. महर्षिकुलवैभवम् 40 अंक
3. श्रीमद्भगवत्गीता विज्ञान भाष्य 20 अंक
4. विज्ञान विद्युत 20 अंक

उपर्युक्त ग्रन्थों में से प्रत्येक से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न तथा दो-दो पारिभाषिक पदों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी पूछनी चाहिए।

तृतीय प्रश्नपत्र—इतिहास एवं भाष्यकार

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

1. वैदिक साहित्य का इतिहास एवं भाष्यकारों का परिचय (सायण, दयानन्द, अरविन्द, मधुसूदन ओझा) 50 अंक
2. इन्द्रविजय (लिपिपर्यन्त) 50 अंक

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिक शास्त्र

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. वर्ष पत्र निर्माण के सामान्य सिद्धान्त एवं वर्षफल कथन 20 अंक
   (1) वर्ष लग्न निर्माण प्राचीन एवं नवीन पद्धति के आधार पर
   (2) मुन्था निर्णय एवं फल

(3) षोडश योग एवं फल
(4) त्रिपताकी चक्र निर्माण एवं फल
(5) वर्षपति निर्णय

2. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी के निम्नलिखित संख्या वाले लेख ही पाठ्यक्रम में ग्राह्य होंगे— 20 अंक
(4, 7, 12, 17, 21, 22, 24, 29, 30, 34, 38, 44, 58, 65, 67, 72, 85, 89, 91, 93, 96, 97, 100, 103, 107, 112, 113, 117, 118, 121, 124)

3. गोल परिभाषा 10 अंक
(खमध्य, नाडीवलय, समवृत्त, उन्मण्डलवृत्त, उर्ध्वखस्वस्तिक, कदम्बधान, कदम्बप्रोतवृत्त, अयनप्रोत्तवृत्त, दृग्वृत्त, उन्नतांश, नतांश, अक्षांश, दिगंश, शर, विमण्डलवृत्त, अहरोरात्रवृत्त आदि की परिभाषा ही प्रष्टव्य होगी)

4. प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक
(प्रायोगिक परीक्षा में जयपुर स्थित ज्योतिष यंत्रालय, जंतर-मंतर सिटी पैलेस के पास में विद्यमान यंत्रों में से शंकु-यंत्र, लघुसम्राट यंत्र, बृहद् सम्राट यंत्र, चक्र यंत्र, षष्ठयशं यंत्र, भित्ति यंत्र, रामयंत्र, दिगंश यंत्र, नाडी वलय यंत्र आदि से ग्रह-नक्षत्रों एवं सूर्य की वेध प्रक्रिया क्रान्ति आदि की जानकारी के साथ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित दिल्ली, वाराणसी उज्जैन, मथुरा, जयपुर के यंत्रालयों की ऐतिहासिक जानकारी मापदंड रहेगी।)

सहायक ग्रंथ

1. ज्योतिषविज्ञान निर्झरी, प्रकाशक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
2. गोलीय रेखागणितम् श्री मीठालाल ओझा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. गोल परिभाषा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
4. यंत्रालय परिचय—पं. गोकुलचन्द भावन कृत

द्वितीय प्रश्नपत्र—वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त 50 अंक
2. मुहूर्त चिन्तामणि—श्रीरामदैवज्ञ विरचित 50 अंक

शुभाशुभ प्रकरण से—तिथि स्वामी, तिथिसंज्ञा, सिद्धियोग, चैत्रादि मासों में शून्य तिथि, शून्य नक्षत्र, शून्य राशि, आनन्दादि अट्ठाइस योग, सर्वार्थसिद्धियोग, शुभकार्य में

वजर्यपदार्थ, भद्राविचार, गुरु-शुक्रास्त में वर्जित कार्य सिंहस्थ गुरु में वर्ज्यावर्ज्य का विचार एवं वार प्रवृत्ति मात्र।

नक्षत्र प्रकरण से—नक्षत्रों के स्वामी, ध्रुव, ध्रुव चर, उग्र, मिश्र, लघु, मृदु, तीक्षण, संज्ञाक नक्षत्र एवं कृत्य, दुकान खोलने का मुहूर्त, वाहन (हाथी-घोडा, कार, स्कूटर आदि) खरीदने का मुहूर्त, अन्धादि नक्षत्र एवं फल, नौकरी करने का मुहूर्त, होमाहूति एवं अग्निवास ज्ञान।

संस्कार प्रकरण—सीमंत संस्कार मुहूर्त, प्रसूती स्त्री के स्नान का मुहूर्त, जलपूजन मुहूर्त, शुभकर्मों का विधिकाल, मुंडन मुहूर्त, अक्षराम्भ मुहूर्त, विद्यारम्भ मुहूर्त, यज्ञोपवीत मुहूर्त, गुरुशुद्धि एवं अपवाद।

विवाह प्रकार—वरवरण-कन्यावरण मुहूर्त, अष्टकुट गुण का मिलान (सारणी द्वारा) सामान्य परिचय मात्र दिन-रात्रि के मुहूर्त, अभिजितकाल निर्धारण।

सहायक ग्रन्थ—

1. मुहूर्त चिन्तामणि—श्रीराम देवज्ञ विरचित मास्टर बिहारीलाल समताप्रसाद, वाराणसी, प्रकाशक राजस्थान संस्कृत अकादमी. जयपर
2. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी, सीताराम शर्मा—प्रकाशकः मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली

तृतीय प्रश्नपत्र—जन्म पत्र-निर्माण, फलादेश के सिद्धान्त

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. जन्मपत्र निर्माण पद्धति 60 अंक
   (क) जन्मांगचक्र निर्माण प्रकार ग्रहस्पष्ट, भाव स्पष्ट=20 अंक
   (इंडियन एफेमेरीज या परम्परागत प्राचीन पद्धति के आधार पर)
   (ख) होरा, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवमांश, द्वादशांश, त्रिंशांश चक्र, निर्माण पत्र एवं सामान्य फल कथन= 20 अंक
   (ग) विंशोत्तरी, अष्टोतरी एवं योगिनी दशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तरर्दशा निर्माण = 20 अंक
2. हस्तरेखा विज्ञान—सम्पूर्ण गोपेश कुमार ओझा 20 अंक
3. लघुपाराशरी—महर्षि पाराशर प्रणीत–उडूदायप्रदीप, योगाध्याय आयुर्विचाराध्याय एवं दशाफलाध्याय मात्र 20 अंक

सहायक ग्रंथ—

1. बृहद् भारतीय कुंडलीविज्ञान, सत्यदेव शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. ज्योतिषसर्वस्व, पं. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. हस्तरेखा विज्ञान, ले. गोपेश कुमार ओझा, प्रकाशक—मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
4. लघुपाराशरी समीक्षा, डॉ. शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र—व्याकरण एवं निबन्ध

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. व्याकरण लघुसिद्धान्तकौमुदी
   - कृत्य प्रक्रिया एवं पूर्वकृदन्त — 15 अंक
   - तद्धित–शैषिक प्रकरण पर्यन्त — 10 अंक
   - स्त्री प्रत्यय — 10 अंक
   - समास (तत्पुरुष, बहुब्रीहि, अव्ययीभाव, द्वन्द्व) — 15 अंक
   - सिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण — 15 अंक
2. निबन्ध (संस्कृत में) — 20 अंक

   कम से कम 12 निबन्ध के विषय दिये जाने चाहिये, जिनमें से सभी वर्गों अ, ब, स, द, इ, एफ पर प्रत्येक से कम से कम दो विषयों में निबन्ध लिखना चाहिए। उनमें से विद्यार्थी को यथेष्ट एक ही विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।
3. व्याकरणमहाभाष्य (पस्पशाहिनक) — 15 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	कृत्य	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	15 अंक
2.	तद्धित	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि	10 अंक
3.	स्त्री	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि	10 अंक
4.	समास	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	15 अंक
5.	कारक	6 सूत्रों में से 3 की सोदाहरण व्याख्या	15 अंक
6.	महाभाष्य	दो में से एक प्रश्न	15 अंक

7.	निबन्ध	प्रत्येक ग्रुप के दो-दो विषयों अर्थात् 2 में से एक निबन्ध	20 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

सहायक पुस्तकें—

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी—भीमसेन शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी—महेशसिंह कुशवाहा
3. डॉ. मंगलादेव शास्त्री, प्रबंध प्रकाश इलाहाबाद
4. ऋषिकेश भट्टाचार्य, प्रबन्ध मंजरी
5. पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी—निबन्ध मंजरी, शारदा मंदिर, दिल्ली
6. बी.एस. आप्टे—गाइड (संस्कृत कम्पोजीशन)
7. हंसराज अग्रवाल—प्रबन्धप्रदीप
8. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी—प्रौढरचनानुवादकौमुदी
9. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10. माधवीय धातुवृत्ति—माधवाचार्य
11. श्री तरंगिणी—गुणरत्न महादधिः
12. डॉ. नारायणशास्त्री कांकर—व्याकरण साहित्य, अजमेरा बुक कं., जयपुर
13. कारकदीपिका—श्री मोहनबल्लभ पंत, रामनारायणलाल बेनीमाधव, प्रयाग

निम्नलिखित शोध-पत्रिकाएं भी पठनार्थ अनुमोदित है—

1. सागरिका—संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2. संस्कृतप्रतिभा—साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. सारस्वतीसुषमा—वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. भारती (मासिक) भारतीय कार्यालय, जयपुर
5. स्वरमंगला (त्रैमासिक) राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
6. मागधम —एच.डी. जैन कालेज, मगध विश्व विद्यालय, आरा, बिहार

पंचम प्रश्नपत्र—प्राचीन संस्कृत साहित्य

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1.	विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग)—बिल्हण	20 अंक
2.	अर्थशास्त्र-कौटिल्य (प्रथम व तृतीय अधिकरण)	20 अंक
3.	शिशुपालवध—माघ (द्वितीय सर्ग)	20 अंक

4. बुद्धचरितम्—अश्वघोष (तृतीयसर्ग) 20 अंक
5. सामान्य प्रश्न 20 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	विक्रमांकदेव	4 श्लोकों में से 2 की व्याख्या जिनमें से एक की संस्कृत में	20 अंक
2.	अर्थशास्त्र	4 श्लोकों में से 2 की व्याख्या	20 अंक
3.	शिशुपालवध	4 श्लोकों में से 2 की व्याख्या जिनमें से एक की संस्कृत में	20 अंक
4.	बुद्धचरितम्	4 श्लोकों में से 2 की व्याख्या	20 अंक
5.	उपर्युक्त 1 व सामान्य प्रश्न	2 प्रश्न पूछकर 1 का उत्तर	10 अंक
6.	उपर्युक्त 3 व 4 में सामान्य 2 प्रश्न पूछकर 1 का उत्तर		10 अंक
	कुल योग		**100 अंक**

सहायक पुस्तकें—

1. विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग) साहित्य निकेतन, कानपुर
2. शिशुपालबध—मल्लिनाथकृत सर्वकषा व्याख्या श्रीहरगोविन्द शास्त्री कृत मणिप्रभद हिन्दी व्याख्या सहित
3. रघुवंशमहाकाव्यम्—मल्लिनाथकृत संजीवनी टीकासहित—प्रो. हरिदामोदर वेल्णकर

अथवा आधुनिक संस्कृत—साहित्य

1. विवेकानन्दविजयम्—डॉ. श्रीधरभास्कर वर्णेकर 35 अंक
   क—नाटक के अंशों की व्याख्या हेतु—25 अंक
   ख—आलोचनात्मक प्रश्न—10 अंक
2. कथानकवल्ली कलानाथ शास्त्री 25 अंक
   क—व्याख्या—15 अंक
   ख—समालोचनात्मक प्रश्न—10 अंक
3. मधुश्च्छन्दा—डॉ. हरिराम आचार्य 25 अंक
   क—व्याख्या—15 अंक
   ख—समालोचनात्मक प्रश्न—10 अंक

4. राजस्थान अभिनव संस्कृत साहित्यम् 15 अंक

व्यक्तित्व एवं कृतित्व संबंध सामान्य प्रश्न

अथवा लघुशोध-प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

100 अंक पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी यदि चाहे तो वे उत्तरार्द्ध में पंचम प्रश्न पत्र के विकल्प में लघुशोध-प्रबन्ध लिख सकते हैं।

यह लघुशोध-प्रबन्ध—न्यूनातिन्यून 100 पृष्ठों का होगा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जायेगा।

लघुशोध-प्रबन्ध के रूप में किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद कार्य विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षा कार्य किया जा सकता है। इसे तीन प्रतियों में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व कुल सचिव को प्रस्तुत करना होगा।

❑❑❑

UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR
RULES FOR THE AWARD OF GRACEMARKS

A. UNDER GRADUATE/POST GRADUATE (MAIN/SUPPLEMENTARY) EXAMINATIONS UNDER THE FACULTIES OF ARTS, FINE ARTS, SCIENCE, COMMERCE, SOCIAL SCIENCE, EDUCATION, MANAGEMENT, HOMOEOPATHY, LAW, AYURVEDA AND ENGINEERING & TECHNOLOGY.

Grace marks to the extent of 1% of the aggregate marks prescribed for an examination will be awarded to a candidate failing in not more than 25% of the total number of theory papers, practicals, sessionals, dissertation, viva-voce and the aggregate, as the case may be, in which minimum pass marks have been prescribed; provided the candidate passes the examination by the award of such Grace Marks. For the purpose of determining the number of 25% of the papers, only such theory papers, practicals, dissertation, viva-voce etc. would be considered, of which, the examination is conducted by the University.

N.B. : If 1% of the aggregate marks or 25% of the papers works out in fraction, the same will be raised to the next whole numeber. For example, if the aggregate marks prescribed for the examination are 450, grace marks to the extent of 5 will be awarded to the candidate, similarly, if 25% of the total papers is 3.2, the same will be raised to 4 papers in which grace marks can be given.

General

1. A candidate who passes in a paper/practical or the aggregate by the award of grace marks will be deemed to have obtained the necessary minimum for a pass in that paper/practical or in the aggregate and shown in the marks sheet to have passed by grace. Grace marks will not be added to the marks obtained by a candidate from the examiners nor will the marks obtained by the candidate be subject to any deduction due to award of grace marks in any other paper/practical or aggregate.

2. If a candidate passes the examination but misses First or Second Division by one mark, his aggregate will be raised by one mark so as to entitle him for the first or second division, as the case may be. This one mark will be added to the paper in which he gets the least marks and also in the aggregate by showing +1 in the tabulation register below the marks actually obtained by the candidate. The marks entered in the marks-sheet will be inclusive of one grace mark and it will not be shown separately.

3. Non appearance of a candidate in any paper will make him ineligible for grace marks. The place of a passed candidate in the examination list will, however, be determined by the aggregate marks he secures from the examiners, and he will not, by the award of grace marks, become entitled to a higher division.

4. Distinction won in any subject at the examination is not to be forfeited on the score that a candidate has secured grace marks to pass the examination.

Note: The grace marks will be awarded only if the candidate appears in all the registered papers prescribed for the examination.

✱✱✱